VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(17 December 2024)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- **श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा भारत-श्रीलंका संबंधों में एक नया अध्याय**
- **चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे से भारत-रूस व्यापार को बढ़ावा**
- **भारत में प्रवासी श्रमबल को सशक्त बनाने की पहल**
- **MCQ**

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा भारत-श्रीलंका संबंधों में एक नया अध्याय:

परिचय:

- श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने 16 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात किया, जिसमें भारत और श्रीलंका के बीच विभिन्न समझौतों पर हस्ताक्षर किया गया। राष्ट्रपति दिसानायके 15 दिसंबर शाम को नई दिल्ली पहुंचे और 15 से 17 दिसंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं।
- उल्लेखनीय है कि सितंबर में राष्ट्रपति चुने जाने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा भारत की है। यह इस बात का संकेत है कि नए श्रीलंकाई राष्ट्रपति, भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को कितना महत्व देते हैं।

भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों की स्थिति क्या है?

- उल्लेखनीय है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति की यह यात्रा हिंद महासागर में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने के चीन के प्रयासों पर चिंताओं के बीच हुई है। अगस्त 2022 में,

हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी मिसाइल और उपग्रह ट्रैकिंग जहाज 'युआन वांग' के डॉकिंग के बाद भारत और श्रीलंका के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया था।

- हालांकि, 2022 में, श्रीलंका के संप्रभु डिफ़ॉल्ट होने के बाद, वहां वित्तीय अराजकता और नागरिक अशांति फैल गई। 2022 में नागरिक अशांति के परिणामस्वरूप पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को पद से हटा दिया गया।
- श्रीलंका को गहरे आर्थिक संकट से उबारने में मदद करते हुए, भारत ने 4 अरब डॉलर की सहायता भेजी थी।
- श्रीलंका के लिए भारत की आपातकालीन सहायता और 'पड़ोस पहले नीति' में श्रीलंका का महत्व, संभवतः यही कारण है कि राष्ट्रपति दिसानायके ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को गंतव्य के रूप में चुना।

भारत की सुरक्षा चिंता को लेकर श्रीलंका का बड़ा आश्वासन:

- श्रीलंका के राष्ट्रपति ने 16 दिसंबर को भारत को आश्वासन दिया कि वह अपनी भूमि का किसी भी तरह से भारत की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के लिए उपयोग नहीं होने देगा। राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा, "मैंने प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया है कि हम अपनी भूमि का किसी भी तरह से उपयोग नहीं होने देंगे, जो भारत के हितों के लिए हानिकारक हो"।

- **हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी नियंत्रण का मुद्दा:**
  - उल्लेखनीय है कि हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी नियंत्रण से भारत के लिए उत्पन्न सुरक्षा चुनौती ने भारत और श्रीलंका के बीच एक कूटनीतिक विवाद को जन्म दिया है।
  - चीन ने हंबनटोटा बंदरगाह को 99 साल के पट्टे पर अपने कब्जे में ले लिया है, क्योंकि श्रीलंका इस बंदरगाह के निर्माण के लिए लिए गए 1.7 अरब डॉलर के ऋण के लिए सालाना 10 करोड़ डॉलर चुकाने में सक्षम नहीं था।

भारत-श्रीलंका के मध्य संयुक्त वक्तव्य:

- प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति दिसानायका, दोनों ने इस बात की पुष्टि की कि भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय साझेदारी गहरी सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों, भौगोलिक निकटता और लोगों के बीच संबंधों पर आधारित है।
- राष्ट्रपति दिसानायका ने 2022 में अभूतपूर्व आर्थिक संकट के दौरान और उसके बाद श्रीलंका के लोगों को भारत द्वारा दिए गए अटूट समर्थन के लिए अपनी गहरी सराहना व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति दिसानायका को इस संबंध में भारत की पूर्ण प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया, जो भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति और 'सागर' दृष्टिकोण में श्रीलंका के विशेष स्थान को ध्यान में रखते हुए है।

भारत-श्रीलंका के बीच विभिन्न मुद्दों पर सहमति:

- **राजनीतिक आदान-प्रदान:** पिछले दशक में बढ़े राजनीतिक संपर्कों और द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने में उनके योगदान को स्वीकार करते हुए, दोनों नेताओं ने नेतृत्व और मंत्री स्तर पर राजनीतिक जुड़ाव को और बढ़ाने पर सहमति जताई।
- **विकास सहयोग:** दोनों नेताओं ने श्रीलंका को भारत की विकास सहायता की सकारात्मक और प्रभावशाली भूमिका को स्वीकार किया जिसने इसके सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राष्ट्रपति दिसानायका ने भारत के उन परियोजनाओं के लिए अनुदान सहायता बढ़ाने के निर्णय को स्वीकार किया जो मूल रूप से ऋण सहायता के माध्यम से शुरू की गई थी, जिससे श्रीलंका का ऋण बोझ कम हो गया।
- **ऋण पुनर्गठन:**
    - ➢ राष्ट्रपति दिसानायका ने आपातकालीन वित्तपोषण और 4 अरब डॉलर मूल्य की विदेशी मुद्रा सहायता सहित अद्वितीय और बहुआयामी सहायता के माध्यम से श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में भारत के समर्थन के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- ➢ दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त की कि विभिन्न क्षेत्रों में ऋण-संचालित मॉडल से निवेश-आधारित भागीदारी की ओर एक रणनीतिक बदलाव श्रीलंका में आर्थिक सुधार, विकास और समृद्धि के लिए एक अधिक टिकाऊ मार्ग सुनिश्चित करेगा।

- **ऊर्जा विकास:** ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त की:
  - ➢ सामपुर में सौर ऊर्जा परियोजना के कार्यान्वयन की दिशा में कदम उठाना;
  - ➢ भारत से श्रीलंका को एलएनजी की आपूर्ति;
  - ➢ भारत और श्रीलंका के बीच उच्च क्षमता वाले पावर ग्रिड इंटरकनेक्शन की स्थापना; और
  - ➢ सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा की आपूर्ति के लिए भारत से श्रीलंका तक एक बहु-उत्पाद पाइपलाइन को लागू करने के लिए भारत, श्रीलंका और यूएई के बीच सहयोग।

- **व्यापार और निवेश सहयोग:** दोनों नेताओं ने सराहना की कि भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते (ISFTA) ने दोनों देशों के बीच व्यापार साझेदारी को बढ़ाया है। दोनों नेताओं ने निम्नलिखित प्रतिबद्धताओं के माध्यम से व्यापार साझेदारी को और बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की

  - ➢ आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग समझौते पर चर्चा जारी रखना।
  - ➢ दोनों देशों के बीच INR-LKR व्यापार समझौतों को बढ़ाना।
  - ➢ श्रीलंका की निर्यात क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रमुख क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करना।

- **सामरिक एवं रक्षा सहयोग:** भारत और श्रीलंका के साझा सुरक्षा हितों को मान्यता देते हुए, दोनों नेताओं ने आपसी विश्वास और पारदर्शिता पर आधारित नियमित संवाद के महत्व को स्वीकार किया तथा एक-दूसरे की सुरक्षा चिंताओं को प्राथमिकता दी।
- **मछुआरों का मुद्दा:** दोनों पक्षों के मछुआरों के समक्ष आने वाली समस्याओं को स्वीकार करते हुए तथा आजीविका संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, दोनों नेताओं ने मानवीय तरीके से इनका समाधान जारी रखने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। इस संबंध में, उन्होंने किसी भी आक्रामक व्यवहार या हिंसा से बचने के लिए उपाय करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे से भारत-रूस व्यापार को बढ़ावा:

चर्चा में क्यों है?

- 2024 के मध्य में, जब भारत चीन को पीछे छोड़कर रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है, तो एक नए समुद्री मार्ग - पूर्वी समुद्री गलियारे - का संचालन दोनों देशों के बीच कमोडिटी व्यापार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना शुरू कर रहा है, खासकर भारत को कच्चे तेल की शिपमेंट।
- चेन्नई से व्लादिवोस्तोक तक का नया पूर्वी मार्ग दो मामलों में बचत में तब्दील हो रहा है: दोनों देशों के बीच शिपमेंट का समय और इस तरह परिवहन लागत। कच्चे तेल, कोयला और LNG जैसी वस्तुओं का व्यापार इस साल की शुरुआत से ही नए पूर्वी मार्ग के माध्यम से शुरू हो चुका है।

चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी समुद्री गलियारा क्या है?

- चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी समुद्री गलियारे की परिकल्पना भारत के पूर्वी तट पर स्थित बंदरगाहों और रूस के सुदूर-पूर्वी क्षेत्र के बंदरगाहों के बीच समुद्री संपर्क के रूप में की गई है। यह गलियारा नए व्यापार अवसरों को खोलने और पारस्परिक आर्थिक समृद्धि और लचीलेपन को बढ़ावा देने की अपार क्षमता का वादा करता है।
- भारत सरकार का मानना है कि चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा, उत्तरी समुद्री मार्ग के विकास के लिए भारत-रूस साझेदारी और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का पूर्ण संचालन, भारत-रूस व्यापार और लोगों के बीच संपर्क के लिए एक बड़ा बदलाव होगा।
- इस गलियारे से भारत और सुदूर-पूर्व रूस के बीच माल परिवहन में लगने वाले समय में 16 दिन तक की कमी आने की उम्मीद है, जिससे वर्तमान 40-दिवसीय यात्रा समय में लगभग आधी कमी होकर 24 दिन रह जाएगा। इससे दूरी में भी 40 प्रतिशत तक की महत्वपूर्ण कमी आने की उम्मीद है।

The Vladivostok-Chennai Maritime Corridor

- वर्तमान में, स्वेज नहर के माध्यम से पश्चिमी समुद्री मार्ग से मुंबई बंदरगाह और रूस के सेंट पीटर्सबर्ग बंदरगाह के बीच की दूरी 16,066 किलोमीटर है। इस बीच, पूर्वी समुद्री गलियारे के माध्यम से चेन्नई बंदरगाह से रूस के व्लादिवोस्तोक बंदरगाह की दूरी केवल 10,458 किलोमीटर है। इस प्रकार, पूर्वी समुद्री गलियारे से पश्चिमी समुद्री मार्ग की तुलना में दूरी में 5,608 किलोमीटर की बचत होने की उम्मीद है।
- उल्लेखनीय है कि व्लादिवोस्तोक प्रशांत महासागर पर सबसे बड़ा रूसी बंदरगाह है, और यह चीन-रूस सीमा से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित है। भारतीय पक्ष में, चेन्नई, और पारादीप, विशाखापट्टनम, तूतीकोरिन, एन्नोर और कोलकाता सहित अन्य पूर्वी बंदरगाहों को कार्गो के प्रकार और शिपमेंट के लिए अंतिम गंतव्य के आधार पर डॉकिंग पॉइंट के रूप में उपयोग किया जा रहा है।

पूर्वी समुद्री गलियारे से भारत-रूस व्यापार को बढ़ावा:

- इस पूर्वी समुद्री गलियारे से दोनों देशों के बीच माल के परिवहन में लॉजिस्टिक लागत में उल्लेखनीय कमी लाने और दक्षता बढ़ाने में मदद मिलेगी। समय और

ईंधन के मामले में बचत से गलियारे की व्यवहार्यता बढ़ने और भारत और रूस के बीच नए व्यापार अवसर खुलने की भी उम्मीद है।

- 2024 तक संचयी शिपमेंट पर शिपिंग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मूल्य के संदर्भ में शीर्ष आयात वस्तुएं कच्चा तेल, परियोजना माल, कोयला और कोक, वनस्पति तेल और उर्वरक थे। जहां तक रूस को निर्यात की बात है, तो इस मार्ग से भारत से निर्यात किए जाने वाले मूल्य के आधार पर शीर्ष पांच उत्पाद प्रसंस्कृत खनिज, लोहा और इस्पात, चाय, समुद्री उत्पाद, चाय और कॉफी थे।
- मात्रा के संदर्भ में, आयात आंकड़ों से पता चला कि शीर्ष पांच वस्तुएं पेट्रोलियम क्रूड, कोयला और कोक, उर्वरक, वनस्पति तेल और लोहा और इस्पात थीं, जबकि मात्रा के संदर्भ में, शीर्ष निर्यात वस्तुएं प्रसंस्कृत खनिज, लोहा और इस्पात, चाय, ग्रेनाइट और प्राकृतिक पत्थर, प्रसंस्कृत फल और जूस थीं।

भारत रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार:

- इस साल जुलाई में, भारत - कच्चे तेल का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता, जिसकी आयात निर्भरता का स्तर 85 प्रतिशत से अधिक है - रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार बनकर चीन से आगे निकल गया था।

- यूक्रेन में युद्ध से पहले, इराक और सऊदी अरब भारत को कच्चे तेल के दो सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता थे। लेकिन जैसे ही रूस द्वारा फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों ने रूसी ऊर्जा आपूर्ति से खुद को अलग करना शुरू किया, रूस ने अपने कच्चे तेल पर छूट देना शुरू कर दिया और भारतीय रिफाइनरी छूट वाले तेल खरीदने लगे।
- हालांकि समय के साथ रूसी कच्चे तेल पर छूट कम हो गई है, लेकिन भारतीय रिफाइनरी स्पष्ट रूप से रूसी तेल खरीदने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि उच्च आयात मात्रा को देखते हुए, कम छूट के स्तर से भी महत्वपूर्ण बचत होती है। नए मार्ग के कारण शिपिंग लागत पर बचत रूसी कच्चे तेल के पक्ष में सौदे को और भी बेहतर बनाती है।

भारत रूस का संबंध आर्थिक से आगे स्ट्रैटेजिक तक जाता है:

- भारत के लिए, रूस के साथ गठबंधन करने से कई लाभ मिलते हैं जो केवल तेल व्यापार से परे हैं। रणनीतिक रूप से, अधिक जुड़ाव रूस के चीन की ओर झुकाव को रोकने में मदद करता है।
- भारत अपने सशस्त्र बलों को बनाए रखने और परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों पर सहयोग के लिए भी रूस पर निर्भर है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 2025 में भारत का दौरा करने वाले हैं।

भारत में प्रवासी श्रमबल को सशक्त बनाने की पहल:

परिचय:

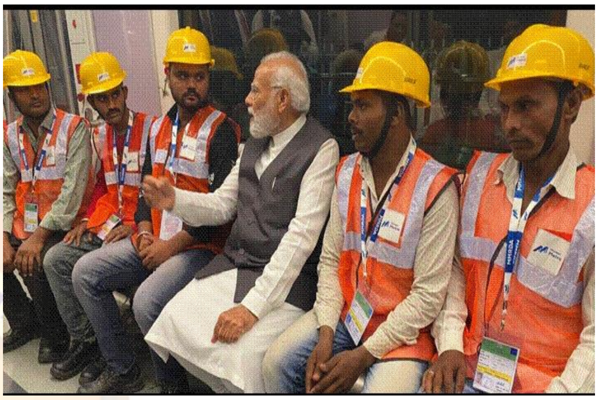

- भारत के प्रवासी श्रमिक विभिन्न क्षेत्रों के लिए आवश्यक है। बेहतर अवसरों की तलाश में, कई लोग अपने घर छोड़ देते हैं, अक्सर रास्ते में चुनौतियों का सामना करते हैं।
- भारत सरकार इन श्रमिकों को सशक्त बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके अधिकारों की रक्षा की जाए और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। सरकार विभिन्न पहलों के माध्यम से उनकी यात्रा को आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत में श्रमबल का प्रवास एक सामान्य घटना:

- उल्लेखनीय है कि भारत में श्रमबल का प्रवास एक सामान्य घटना है, क्योंकि श्रमिक अक्सर बेहतर आजीविका और अवसरों के लिए राज्यों में जाते हैं।
- भारत में प्रवास एक गतिशील प्रक्रिया है और 2011 की जनगणना में 4.1 करोड़ से अधिक अंतरराज्यीय प्रवासियों की सूचना दी गई है।

- 2020-21 की प्रवास रिपोर्ट के अनुसार, कुल प्रवास दर 28.9% है, जिसमें 26.5% ग्रामीण क्षेत्रों से हैं। लगभग 10.8% मुख्य रूप से रोजगार के लिए पलायन करते हैं।

ईश्रम पोर्टल - वन स्टॉप सॉल्यूशन:

- श्रम और रोजगार मंत्रालय ने असंगठित श्रमिकों (NDUW) का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए 26 अगस्त 2021 को ईश्रम पोर्टल लॉन्च किया, जिसे 'आधार' से सत्यापित किया गया।
- 21 अक्टूबर 2024 को, ईश्रम "वन-स्टॉप सॉल्यूशन" पेश किया गया, जिसमें विभिन्न सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं को एक ही पोर्टल में एकीकृत किया गया। यह पंजीकृत असंगठित श्रमिकों को ईश्रम पोर्टल के माध्यम से सीधे कई योजनाओं से लाभ प्राप्त करने और ट्रैक करने में सक्षम बनाता है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

प्रवासी मजदूरों के लिए कल्याणकारी योजनाएं:

- भारत सरकार की विभिन्न रोजगार योजनाएं कौशल विकास, वित्तीय सहायता और सामाजिक सुरक्षा के अवसरों तक पहुँच प्रदान करके श्रमिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए बनाई गई है।

पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि):

- 1 जून, 2020 को शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स को बिना किसी कोलेटरल के कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करना है।
- यह पहल विक्रेताओं को अपने व्यवसाय को फिर से शुरू करने में मदद करने के लिए शुरू की गई थी, जो COVID-19 महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुए थे, जिससे उन्हें रिकवरी और आत्मनिर्भरता के लिए वित्तीय सहायता मिली।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (PMSYM):

- श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 15 फरवरी 2019 को शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य प्रवासी श्रमिकों सहित असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर न्यूनतम सुनिश्चित पेंशन प्रदान करना है।

- बजट में घोषित इस योजना का लक्ष्य ₹15,000 प्रतिमाह से कम आय वाले श्रमिकों को लक्षित करना है और 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद उन्हें ₹3,000 की मासिक पेंशन प्रदान करना है, जिससे उनके भविष्य के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY):

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 23 सितंबर, 2018 को लॉन्च की गई आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY) का उद्देश्य भारत के सबसे कमज़ोर लोगों को स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करके सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) प्राप्त करना है।
- उल्लेखनीय है कि 12 करोड़ से अधिक परिवारों (लगभग 55 करोड़ व्यक्ति) को कवर करते हुए, यह उन प्रवासी श्रमिकों को द्वितीयक और तृतीयक स्वास्थ्य लाभों के लिए 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करता है, जो वंचितता और व्यवसाय मानदंडों के अनुसार पात्र लाभार्थियों के रूप में शामिल हैं। इस योजना की पोर्टेबिलिटी सुविधा लाभार्थियों को उनके गृह राज्य की परवाह किए बिना पूरे भारत में किसी भी सूचिबद्ध अस्पताल में उपचार का लाभ उठाने की अनुमति देती है।

- उल्लेखनीय रूप से, इस पोर्टेबिलिटी सुविधा के तहत ₹3,100 करोड़ के 11.9 लाख अस्पताल में भर्ती होने की अनुमति दी गई है, जिससे देश भर में लाभार्थियों के लिए पहुँच बढ़ गई है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (PMGKY):

- इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKY) द्वारा खाद्य सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूती मिली है, जिसे 1 जनवरी 2024 से शुरू होकर अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है।
- यह योजना प्रवासी श्रमिकों सहित गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को मुफ्त खाद्यान्न और प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण प्रदान करती है।
- इसके अलावा, 2018 में शुरू की गई वन नेशन वन राशन कार्ड (ONORC) योजना पूरे भारत में राशन कार्ड की पोर्टेबिलिटी के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है। ये पहल प्रवासी श्रमिकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा जाल बनाती है, जो देश में कहीं भी रहने पर खाद्य सुरक्षा तक पहुँच की गारंटी देती है।

निष्कर्ष:

- प्रवासी श्रमिकों को सशक्त बनाना केवल तत्काल राहत प्रदान करने के बारे में नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक सुरक्षा और विकास के अवसर सुनिश्चित करने के बारे में है।

विभिन्न योजनाओं और कानूनी सुरक्षा के माध्यम से, भारत सरकार प्रवासी श्रमिकों के लिए एक सुरक्षित, अधिक सहायक वातावरण बनाने के लिए काम कर रही है, जिससे उन्हें कौशल प्रशिक्षण, सामाजिक सुरक्षा और उचित वेतन तक पहुँचने में मदद मिल सके।

- इन प्रयासों का उद्देश्य उनकी चुनौतियों का समाधान करना और यह सुनिश्चित करना है कि वे चाहे कहीं भी जाएँ, वे अपने और अपने परिवार के लिए बेहतर जीवन जी सकें। हालांकि अभी भी काम किया जाना बाकी है, लेकिन प्रवासी श्रमिकों के लिए अधिक सुरक्षित और सशक्त भविष्य की ओर यात्रा अच्छी तरह से चल रही है।

MCQs

1. भारत में 'श्रम बल के प्रवास की घटना' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 2011 की जनगणना में 24 करोड़ से अधिक अंतरराज्यीय प्रवासियों की सूचना दी गई है।

2. देश में लगभग 11 प्रतिशत लोग मुख्य रूप से रोजगार के लिए पलायन करते हैं।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(b)

2. हाल ही में चर्चा में रहे ईश्रम पोर्टल के "वन-स्टॉप सॉल्यूशन" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) इसकी शुरुआत जून, 2020 में किया गया है।

(b) इसमें असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से जुड़ी विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक ही पोर्टल में एकीकृत किया गया है।

(c) इसके तहत EPFO से जुड़े श्रमिक विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही पोर्टल से प्राप्त कर सकेंगे।

(d) उपर्युक्त सभी सही हैं।

Ans:(b)

3. चर्चा में रहे 'चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस गलियारे से भारत और सुदूर-पूर्व रूस के बीच माल परिवहन में लगने वाले समय में 16 दिन तक की कमी आने की उम्मीद है।
2. पूर्वी समुद्री गलियारे के माध्यम से चेन्नई बंदरगाह से रूस के व्लादिवोस्तोक बंदरगाह की दूरी केवल 16,066 किलोमीटर है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(a)

4. चर्चा में रहे 'भारत-रूस के मध्य तेल व्यापार' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) भारत रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है।

(b) भारत अपनी तेल आयात का सर्वाधिक हिस्सा रूस से प्राप्त कर रहा है।

(c) पूर्वी समुद्री गलियारे के कारण शिपिंग लागत पर बचत रूसी कच्चे तेल के पक्ष में सौदे को और भी बेहतर बनाती है।

(d) उपर्युक्त सभी सही है।

Ans:(d)

5. चर्चा में रहे 'भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों की वर्तमान स्थिति' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. श्रीलंका भारत की 'पड़ोस पहले नीति' और 'सागर' पहल दोनों के संदर्भ में महत्वपूर्ण सहयोगी देश है।
2. हिंद महासागर में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने के चीन के प्रयासों से उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं के बीच भी श्रीलंका का भारत लिए महत्व है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(c)